अतिरिक्त लेख - 7 *संगति*
घर की संगति सभा की अगुवाई करना

घर में की गई संगति का दल या एक छोटे दल में 10 विश्वासी एक साथ कम से कम हफ्ते में एक बार मिलते हैं जिस से वे एक दूसरे को विकसित कर सकें।

1. घर की संगति सभा, या एक छोटे दल की सभा के लिए व्यवहारिक सुझाव

घर की संगति की सभा के लिए अपनी परिस्थितियों के अनुसार एक दल तैयार करें। कुछ घर की संगति की सभा के निम्न गुण पाए जाते हैं।

- वे सप्ताह में एक बार मिलते हैं।
- वे हर सप्ताह एक ही सदस्य के घर पर मिलते हैं। या फिर हर सदस्य बारी बारी से सभा अपने घर पर रखते हैं। वे ऐसे स्थान पर मिलते है जहाँ पर कोई उनकी शान्ति भंग नहीं करता है। और जहाँ पर आपका ध्यान दूसरी ओर नहीं भटकता है।
- जब दल 10 से अधिक सदस्यों का बन जाए तो उसे दो भागों में बाँट ले और दो भिन्न स्थानों पर सभा के लिए मिलें।
- आते समय सभा के घर पर एक या दो लोग एक साथ आएँ एक साथ भीड़ न लगाएँ। ऐसे ही जाते समय भी ऐसे ही जाएँ।
- किसी नए सदस्य को तभी सभा में आने का निमन्त्रण दें जब सभा के सभी सदस्य ऐसा मान लेते हैं.।
- साथ मिल कर फैसला करें कि आप लोगों से अपने घर की संगति के विषय में क्या कहेंगे।
- दल के नेता के पास एक सहायक होना चाहिए और उसे प्रशिक्षण देकर तैयार करना है कि वह एक नया दल बना कर उसकी अगुवाई कर सके।
- केवल दल के अगुवे के पास ही नियम पुस्तिका होती है। दल के अन्य सदस्य अपने निजि नोट्स बनाते हैं।
- घर पर संगति के दल का उद्देश्य है कि इस संगति के द्वारा एक दूसरे को विकसित कर सकें। जिससे हर कोई सभा में भाग ले सके।

2. घर की सभा के कार्यक्रम

दल के अगुवों की नियम पुस्तिका कुछ कार्यक्रमों का सुझाव देती है। (सूचीपत्र को देखें)
2 से 15 लोग इस छोटे दल में एक घर में हर हफ्ते मिलते हैं।

केवल चेला बनाने के लिए

चेला बनाना (क) महीने के पहले और तीसरे सप्ताह (ख) चेले बनाना हर दूसरे और चौथे सप्ताह
एक सप्ताह में वे स्तुति आराधना और शिक्षा पर ज़ोर देते हैं और दूसरे सप्ताह में वे बाइबल अध्ययन और वचन के पद याद करने पर समय बिताते हैं।

या फिर चेले बनाने और सेविकाई करने की सभा

हर तीन हफ्ते बाद चेले बनाने के लिए (क और ख और सेविकाई ग) विशेष कर पहले हफ्ते में आराधना और बाइबल शिक्षा, और दूसरे सप्ताह में विशेष रूप से पद याद करने और बाइबल अध्ययन में समय बिताते हैं। तीसरे हफते में

चेले बनाना (क)	चेले बनाना (ख)	घर में संगति (ग)
• आराधना 1 गीत के साथ (20मिनट) • गवाही और शान्त समय (20 मिनट) • शिक्षा देना (70 मिनट) • प्रतिउत्तर की प्रार्थनाएँ (8मिनट) • घर के काम की तैयारी (2 मिनट) • चाय और संगति (शान्त रीति से)	• याद करना (20 मिनट) • गवाही व शान्त समय (20मि.) • बाइबल अध्ययन (70 मिनट) • मध्यस्थ की प्रार्थनाएँ (8 मिनट) • घर के काम की तैयारी(2 मिनट • चाय और संगति (शान्त रीति से)	• गीत गाना (45 मिनट) • प्रचार 15 मिनट • प्रार्थना (30 मिनट) • प्रभु भोज, बपतिस्मा, (भोजन की संगति) जब भी उसकी ज़रूरत हो। (30 मिनट)

3. एक बुद्धिमान के घर में संगति

कई स्थानो पर पड़ोसी शायद शत्रु के समान हों। पर यीशु मसीह विश्वासियों को उत्साहित करते हैं कि विशेषकर कठिन परिस्थितियों में वे बुद्धिमान बनें। इस रीति से कभी न मिले जिस से पड़ोसी लोग बुरा मान लें।इस बात पर ध्यान दे कि क्या यह ज़रूरी है कि किसी संगति सभा में भजन या गीत गाना बुद्धिमानी होगी। घर की संगति में ज़ोर-ज़ोर से प्रार्थना न करें धीमें शब्दों में प्रचार और प्रार्थना करें जिससे कोई जो द्वार के बाहर खड़ा है वह आपके दल की बातों को सुन न सकें। इस लिए अभ्यास करते रहें कि एक बुद्धिमान दल बन जाएँ।

4. एक ज़िम्मेदार जवाब देही दल बनें

घर की संगति भी मसीह की देह का एक यथार्थ भाग है।(उस एकमात्र कलीसिया का जो मसीह की है।)

पढ़ेः 1 कुर. 12:12-28

- यदि घर की संगति किसी कलीसिया का हिस्सा है तो ऊपर दिए कार्यक्रम का पालन करें।
- पर यदि घर की संगति किसी कलीसिया का भाग नहीं है तौ भी ऊपर दिए कार्यक्रम का पालन करें पर इस बात पर विचार करें कि बपतिस्मा, प्रभु भोज, विवाह, बड़ों की अगुवाई, और यदि ज़रूरी है तो अनुशान के विषय पर भी विचार करें।
- जो लोग घर की संगति में भाग लेते हैं वे अपनी घर के संगति को नियमित रूप से मिलने वाली सभा मानते हैं जो घर पर मिलती है। जिसकावर्णन इब्रानियों के 10:24-25 पद बताते हैं। (पढ़े इब्रानियो 10:24-25)
- घर की संगति में आने वाले लोग इस बात पर दृड़ है कि वे घर की हर संगति में आएँगे।
- घर पर संगति करने वाले लोग हर अगली सभा के लिए तैयारी करते है। इसके लिए वे प्रतिदिन परमेश्वर के साथ निजि समय बिताते हैं। और उस निजि समय में जो सीखते हैं उसके नोट्स बना कर कापी मे लिख देते हैं।
- घर की संगति में भाग लेने वाले लोग वायदा करते हैं कि वे जो भी सीखते हैं उसे अपने जीवन में लागू करेंगे।
- घर की संगति के लोग हमेशा एक दूसरे की मदद करते हैं और एक दूसरे को उत्साहित करते हैं और साथ ही साथ एक दूसरे की ज़रूरतें भी पूरी करते हैं।
- घर की संगति में जाने वाले लोग हमेशा अपने संघर्ष के विषय में बताने के लिए तैयार रहते हैं और साथ ही यह भी कि वे किस तरह से उन्नति कर रहे हैं।